रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

श्री की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ें–माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में नवीन पाठ्यक्रमों एवं नवनिर्मित भवनों का लोकापर्ण समारोह

जबलपुर 07 अप्रैल। भगवान कृष्ण विद्या प्राप्त करने जब अपने गुरूकुल पहुंचे तो वो केवल कृष्ण थे, जब वे विद्या ग्रहण कर गुरूकुल से बाहर निकले तो जग में श्रीकृष्ण कहलाये। श्री की समृद्धि के मार्ग को प्रशस्त करने विश्वविद्यालय और महाविद्यालय संकल्प के साथ आगे बढ़ें। आज 21वीं सदी में जब पूरी दुनिया विज्ञान और तकनीक के चरम को छू रही है, उसके कदमों से कदम मिलाकर चलने के लिए केंद्र सरकार यह नई शिक्षा नीति लेकर आई है। नई प्रणाली भारत को दुनिया के अग्रणी देशों के समकक्ष ले आएगी। सरकार का मानना है कि यह नई शिक्षा नीति आधुनिक भारत को रफ्तार देने का काम करेगी।

ये विचार माननीय डॉ. मोहन यादव जी, मंत्री, उच्च शिक्षा, म.प्र. शासन ने गुरुवार, 07 अप्रैल, 2022 को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में आगमन के दौरान विवि विज्ञान भवन विद्यार्थियों, शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। माननीय उच्च शिक्षामंत्री डॉ. यादव, केंट विधानसभा क्षेत्र विधायक श्री अशोक रोहाणी का स्वागत माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह, विवि कौशल विकास प्रभारी प्रो. सुरेन्द्र सिंह द्वारा पुष्पगुच्छ, शॉल श्रीफल भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में डॉ. यादव ने आगे कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ सरकार शिक्षा का स्वदेशीकरण करने की कोशिश में है। सरकार का मानना है कि ब्रिटिश अफसर मैकाले ने भारत को गुलाम बनाने के लिए जो शिक्षा पद्धति यहां के लोगों पर थोपी थी, जिससे देश में काले अंग्रेज पैदा होने लगे हैं, उससे देशवासियों को वापस निकालने के लिए शिक्षा का स्वदेशीकरण बेहद जरुरी है। साथ ही 1986 के बाद से देश की शिक्षा नीति में कोई बदलाव भी नहीं हुआ था, जिससे आधुनिक भारत पिछड़ता नजर आ रहा था। अब यह शिक्षा नीति देश को नई उंचाईयों पर ले जाने के लिए तत्पर है। माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने विवि विज्ञान भवन के मंच से विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षण विभाग का नामकरण मप्र के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. ईश्वरदास रोहाणी के नाम पर करने की भी घोषणा की। इस दौरान माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विवि में नवीन मेडिकल संकाय प्रारंभ करने की जानकारी देते हुए इस नए संकाय के लिए 150 करोड़ की राशि उपलब्ध कराने की आवश्यकता की जानकारी देते हुए बताया कि विवि ने सदैव विद्यार्थियों के हितों का ध्यान रखते हुए सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को शिक्षार्थी और देश के विकास को बढ़ावा देने के लिए लागू किया गया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति बच्चों के समग्र विकास पर केंद्रित है। इस नीति के तहत वर्ष 2030 तक अपने उद्देश्य को प्राप्त करने का लक्ष्य है।

शारीरिक शिक्षण विभाग में लोकार्पण कार्यक्रम–

माननीय डॉ. मोहन यादव जी, मंत्री, उच्च शिक्षा, म.प्र. शासन द्वारा केंट विधायक मान. श्री अशोक रोहाणी के साथ सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षण विभाग पहुंचकर शारीरिक शिक्षण विभाग के भवन के प्रथम तल का लोकार्पण किया गया यहां विडियो कांफ्रेंसिग फैसिलिटी का वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच शुभारंभ किया। इस मौके पर शाशिवि के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के. यादव, प्रो. अलका नायक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. विशाल बन्ने, विवि वित्त नियंत्रक श्री रोहित कौशल, मप्र ओलम्पिक संघ प्रदेश सचिव श्री दिग्विजय सिंह सहित विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। इसके अलावा माननीय उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा विवि बेसिक फेसिलिटि भवन के प्रथम तल का लोकार्पण, विवि विज्ञान भवन स्थित सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन किया गया साथ ही यहीं 90 दिवसीय कैरियर गाइडेन्स एवं काउन्सिलिंग शिविर, बी.एससी. आनर्स एग्रिकल्चर पाठ्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विवि कौशल विकास विभाग के डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. मीनल दुबे, इंजी. महावीर त्रिपाठी सहित विविध विभागों के अतिथि विद्वान मौजूद रहे।

प्रदर्शनी का अवलोकन व एकात्म भवन में लोकार्पण –

माननीय उच्च शिक्षामंत्री द्वारा वैश्विक महामारी कोविड–19 के संक्रमणकाल के दौरान छात्र–छात्राओं के लिए आयोजित ऑनलाईन कार्टून, पेंटिंग आदि प्रतियोगिताओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया साथ ही एकात्म भवन के प्रथम तल का लोकार्पण किया गया, इसमें पूर्व संचालित इन्क्यूबेशन सेंटर का नव–निर्मित भवन में पुनर्स्थापना की गयी है। इस मौके पर विवि डीआईसी प्रमुख प्रो. एस.एस. संधू ने केन्द्र द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गयी। इस मौके पर यूजीसी एचआरडीसी निदेशक प्रो. कमलेश मिश्रा, विवि परीक्षा नियंत्रक डॉ. रश्मि टंडन सहित सभी अधिकारी, कर्मचारीगण मौजूद रहे।